

मंथकहृत्त्रा



हाए। संसमुदाए। तदा सुदाए। राम सुदाए।
 वन विदाए। सुहपरिक म्मणाए। संबादाए।
 ए। संबादिप समाणा। अरगयप
 रिस्मास। अहपुसात्ता नपडिनि।
 रकमइइत्ता॥६॥ ऊणा वमस्यण
 षर। तणा वनवागबइइत्ता। मस्यण षर
 पुप विमइइत्ता। समुत्तजाला कुलातिराम

